आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 47 अंक 33 (प्रति रविवार) इंदौर, 05 मई से 11 मई 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

चाय वाले ने तोड़ी कुप्रथा :

सिर्फ अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुनाव लड़ रहे हैं सपा-कांग्रेस

इटावा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर सिर्फ अपने और अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुनाव लड़ने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि शाही परिवार का वारिस ही प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री बनेगा, यह कुप्रथा चाय वाले ने तोड़ दी है।

प्रधानमंत्री ने सपा के गढ़ माने जाने वाले इटावा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, मोदी भारत के लिए आने वाले पांच साल ही नहीं बल्कि 25 सालों का रास्ता बना रहा है। मोदी यह सब क्यों कर रहा है क्योंकि मोदी रहे ना रहे देश हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा, यह सपा-कांग्रेस वाले क्या कर रहे हैं? यह अपने भविष्य के लिए, अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। पीएम मोदी ने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, इन परिवारवादियों की विरासत क्या है... गाड़ी, बंगला, राजनीतिक रसूख। कोई मैनपुरी, कन्नौज और इटावा को अपनी जागीर मानता है तो कोई अमेठी और रायबरेली को अपनी जागीर मानता है। उन्होंने कहा, लेकिन मोदी की विरासत गरीब का पक्का घर है, देश की करोड़ों माताओं-बहनों को मिला शौचालय है और दलितों-पिछड़ों को मिली बिजली, गैस और नल (से पानी) जैसी सुविधा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मोदी की बनाई गई विरासत सबके लिए है। हम चाहते हैं कि 2047 में आपका ही बेटा-बेटी प्रधानमंत्री बने, मुख्यमंत्री बने। शाही परिवार का वारिस ही प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री बनेगा यह कुप्रथा इस चाय वाले ने तोड़ दी है।

पीएम मोदी आरक्षण विरोधी हैं, वह आपका आरक्षण छीनना चाहते हैं : राहुल गांधी

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आरक्षण के खिलाफ हैं और वह आरक्षण छीनना चाहते हैं।

तेलंगाना में आदिलाबाद (एसटी) लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत निर्मल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने दावा किया कि मौजूदा आम चुनाव दो विचारधाराओं के बीच है, जिसमें कांग्रेस संविधान की रक्षा करने की कोशिश कर रही है जबकि भाजपा-आरएसएस मिलकर इसे और जनता के अधिकारों को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी जी आरक्षण के खिलाफ हैं। वह आपसे आरक्षण छीनना चाहते हैं। देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा आरक्षण को 50 फीसदी से बढ़ाना है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि अगर पार्टी की केंद्र में सरकार बनती है, तो वह 50 प्रतिशत की सीमा को समाप्त कर देगी और आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ा देगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के अन्य नेता भी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं।

रायबरेली और अमेठी में चुनाव प्रचार का नेतृत्व करेंगी प्रियंका

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली और अमेठी में लोकसभा चुनाव प्रचार का नेतृत्व करेंगी तथा दोनों सीट पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सोमवार से उत्तर प्रदेश के इन संसदीय क्षेत्रों में डेरा डालेंगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कई दिनों से जारी असमंजस को खत्म करते हुए कांग्रेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि राहुल गांधी रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, जो पिछले दो दशकों से उनकी मां सोनिया गांधी का निर्वाचन क्षेत्र रहा है।

वहीं, गांधी परिवार के करीबी सहयोगी किशोरी लाल शर्मा अमेठी से चुनाव लड़ेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का संसद से आग्रह : दहेज प्रताड़ना के कानून में करें जरूरी बदलाव

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना से संबंधित कानून के मिसयूज पर चिंता जताई है। इसी के साथ कहा है कि दहेज प्रताड़ना से संबंधित नए कानून में जरूरी बदलाव करना चाहिए। भारतीय न्याय संहिता एक जुलाई से लागू होने जा रही है, जिसमें दहेज प्रताड़ना से संबंधित प्रावधान धारा 85 और 86 में है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा, भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 85 और 86 एक जुलाई से प्रभाव से लागू होने वाली है। ये धाराएं आईपीसी की धारा 498ए को दोबारा लिखने की तरह है। हम कानून बनाने वालों से अनुरोध करते हैं कि इस प्रावधान के लागू होने से पहले भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 85 और 86 में जरूरी बदलाव करने पर विचार करना चाहिए ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। नए कानून में दहेज प्रताड़ना से संबंधित कानून की परिभाषा में कोई बदलाव नहीं किया गया है, बस अलग से धारा 86 में दहेज प्रताड़ना से संबंधित प्रावधान के स्पष्टीकरण का जिक्र किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी-सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला की ओर से पति के खिलाफ दर्ज कराए गए दहेज प्रताड़ना के केस को खारिज करते हुए उक्त टिप्पणी की है। केस को खारिज करने की पति की अर्जी पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने ठुकरा दी थी जिसके बाद उसने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को खारिज कर दी। साथ ही कोर्ट ने कहा कि हम रजिस्ट्री को निर्देश देते हैं कि वह इस मामले में जजमेंट को गृह मंत्रालय और कानून मंत्रालय के मंत्री को भेजे।

2010 में भी की थी सिफारिश-सुप्रीम कोर्ट ने 2010 के अपने फैसले का जिक्र किया जिसमें उसने दहेज प्रताड़ना से जुड़े कानून के मिसयूज को रोकने के लिए कानून में बदलाव की सिफारिश संसद से की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 498ए के मामले में जब शिकायत की जाती है तो कई बार मामले को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है। ऐसे में संसद से आग्रह है कि वह व्यावहारिक सच्चाई के मद्देनजर कानून में बदलाव पर विचार करें।

कोविशील्ड के दुष्प्रभावों से चिकित्सा विशेषज्ञों का इंकार, अफवाह बताया

न्यूरोलाजी इंडिया में प्रकाशित शोध पत्र में विस्तार से ब्यौरा दिया गया

लखनऊ। ब्रिटेन में कोरोना संक्रमण से बचाव की वैक्सीन के दुष्प्रभाव की सूचना से लोग चिंतित हैं। लेकिन, चिकित्सा विशेषज्ञों ने इसे सिर्फ दुष्प्रचार माना। चिकित्सकों का कहना है कि ब्लड क्लॉटिंग और हार्ट में ब्लॉकेज समेत न्यूरो से जुड़ी समस्याओं का कारण कोविशील्ड नहीं है। लखनऊ के केजीएमयू न्यूरोलाजी विभाग के शोध ने वैक्सीन के दुष्प्रभाव से इनकार किया। विभाग के शोध पत्र को न्यूरोलाजी इंडिया में जगह मिली है।

केजीएमयू के न्यूरोलाजी विभाग ने देशभर में कोविशील्ड वैक्सीन के दुष्प्रभाव पर प्रकाशित शोध-पत्रों का अध्ययन किया। इस आधार पर शोध पत्र तैयार किया। यह शोध कार्य न्यूरोलाजी विभाग के अध्यक्ष डॉ आरके गर्ग के निर्देशन में किया गया। डॉ गर्ग के मुताबिक जून 2022 तक कोरोना वैक्सीन की 1,97,34,08,500 डोज लगाई गई। जिनमें अधिकांश लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन ही लगाई गई।

खून का थक्का जमने का निष्कर्ष सामने आया

डॉ आरके गर्ग ने बताया कि 136 व्यक्तियों में ही वैक्सीन का दुष्प्रभाव देखने को मिला। यह शुरुआती दौर में था। इनमें 10 लोगों के दिमाग में खून का थक्का जमने की बात सामने आई थी। इसके अलावा हरपीज के 31 मामले पाए गए थे। मस्तिष्क व स्पाइन कार्ड में सूजन की भी दिक्कतें हुई थीं। सबसे अधिक मरीज फंगशनल न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर के मिले थे। उत्तर प्रदेश के अलावा दिल्ली, बंगाल और केरल से सबसे अधिक संख्या थी। 136 लोगों को वैक्सीनेशन के महज दो-तीन सप्ताह में दुष्प्रभाव हुए। दो-तीन साल बाद ऐसा संभव ही नहीं है, यह सिर्फ अफवाह है।

हार्ट अटैक की वजह कोविड

डॉ आरके गर्ग कहते हैं, कोरोना काल के दौरान दिल में भी ब्लाकेज के मामले आ रहे थे। मांसपेशियों में सूजन की वजह से दिल की धड़कन प्रभावित हो रही थी। दरअसल, लॉक डाउन की वजह से लोगों की जीवन शैली बिगड़ गई। खानपान असंतुलित होने से मोटापा और डायबिटीज का स्तर बढ़ गया था। ऐसी स्थिति में दिल की बीमारी की संभावना बढ़ती है।

हार्ट अटैक के शिकार हुए लोगों में प्री-डायबिटीज, प्री-हायपरटेंशन और मोटापा जैसे कारण भी जिम्मेदार हैं। कई मामलों में बिना पर्याप्त वार्मअप के हार्ड एक्सरसाइज भी दिल के दौरे का कारण बना। डॉ गर्ग का कहना है कि स्वस्थ रहने के लिए रोजाना पर्याप्त शारीरिक व्यायाम बेहद जरूरी है। अगर बीपी और शुगर के मरीज हैं तो नियमित अंतराल पर डाक्टर से परामर्श लें।

मालव आँचल
इंदौर, 05 मई से 11 मई 2024

संपादकीय

22 साल बाद प्रधानमंत्री को क्यों याद आया गोधरा कांड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 साल बाद लोकसभा चुनाव के दौरान 2002 में हुए गोधरा कांड की याद दिलाते हुए विपक्ष पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को हाल ही में दिए गए बयान में लपेटने की कोशिश की है।इसे राजनीतिक हलकों में आश्चर्य के रूप में देखा जा रहा है। 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस के एस 6 कोच में गोधरा में आग लगी थी।तब गुजरात में नरेंद्र भाई मोदी मुख्यमंत्री थे। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार थी। गुजरात सरकार ने कहा था, कि कार सेवक जिस डब्बे में बैठे हुए थे। उसमें एक धर्म विशेष के लोगों ने आग लगाई है। जिसे गोधरा कांड के नाम से जाना गया। इसके बाद गुजरात में भारी नरसंहार हुआ। गुजरात में हुए दंगों में हजारों लोग मारे गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने मुख्यमंत्री मोदी से राजधर्म निभाने की अपील की थी। अटल बिहारी वाजपेई उनका इस्तीफा लेना चाहते थे। तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के बीच इस्तीफे को लेकर मतभेद होने के कारण गुजरात मे नरेंद्र मोदी की सरकार बची रही। गोधरा दंगो के लगभग 9 माह बाद दिसंबर 2002 में विधानसभा के चुनाव हुए। जिसमें भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत से जीत हासिल हुई। उसके बाद लगभग 14 महीने बाद मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने दूसरी बार शपथ ली। मोदी का गुजरात मॉडल और हिंदू प्रयोगशाला की सफलता के रूप में इसे जाना गया। 2002 के बाद हिंदी भाषी राज्यों में धार्मिक धुर्वीकरण का प्रयोग गुजरात मॉडल के रूप में किया गया। जिसके कारण मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में बड़ा लाभ भाजपा को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीए सरकार के रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाला साधा है। उन्होंने 2004 में यूसी बनर्जी कमेटी का गठन किया था।17 जनवरी 2005 को कमेटी की रिपोर्ट आ गई थी। जिसमें बताया गया था, कि ट्रेन में आग दुर्घटनावश लगी थी। ट्रेन के कोच में आग किसी के द्वारा नहीं लगाई गई थी। इस कमेटी की रिपोर्ट को गुजरात सरकार ने ठुकरा दिया था। गुजरात सरकार ने मार्च 2002 मे नानावटी शाह आयोग से गोधरा कांड की जांच कराई जा रही थी।18 दिसंबर 2008 को इसकी रिपोर्ट आई। जिसमें गोधरा कांड को पूर्व नियोजित साजिश बताया गया। इसकी रिपोर्ट आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर गोधरा कांड को लेकर जो आरोप लग रहे थे। उससे उन्हें क्लीन चिट मिल गई थी। 22 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर गोधरा कांड का उल्लेख किया है। निश्चित रूप से एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी गोधरा की याद दिलाकर,धार्मिक ध्रुवीकरण को तेज करना चाहते हैं। अगले पांच चरणों में उत्तर प्रदेश की 62 और देशभर की 352 लोकसभा सीटों के चुनाव होना है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद जो ध्रुवीकरण होना था,वह नहीं हुआ। धारा 370 लागू करने के बाद, कश्मीर घाटी और लद्दाख में भाजपा चुनाव नहीं लड़ पा रही है। महंगाई, बेरोजगारी और भारी टैक्सेशन के कारण जनता के बीच सरकार से नाराजी बढी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डबल इंजन की सरकारों के होते हुए,पिछले 10 वर्षों में हिंदुओं को मुसलमानो से डराने का जो अभियान चलाया जा रहा है। वह मतदाताओं को अब प्रभावित नहीं कर रहा है। किसी को भी ज्यादा दिनों तक डराकर नहीं रखा जा सकता है। गोधरा को एक बार फिर लोकसभा चुनाव में लाकर क्या धार्मिक धुर्वीकरण कराने की तैयारी हो रही है। प्रधानमंत्री ने जो आरोप सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव के ऊपर लगाया है। उनका गोधरा कांड से कोई लेना-देना नहीं था। केंद्र सरकार की भूमिका बहुत सीमित थी। नानावटी शाह आयोग की रिपोर्ट के अनुसार ही सारी कार्रवाई गुजरात सरकार के निर्देशन में हुई। कानून व्यवस्था राज्य का अधिकार है। 2024 के लोकसभा चुनाव मे सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को निशाने पर लेना है। जो यह बताता है,गोधरा को जिंदा करके 2024 का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लड़ना चाहते हैं। यह उनके लिए एक बड़ा जोखिम भी हो सकता है। उन्होंने यह जोखिम उठाया है, तो इसके पीछे कोई ना कोई बड़ा कारण तो होगा।

भारत एवं कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

ललित गर्ग

कनाडा में रविवार को वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो की मौजूदगी में खालसा दिवस समारोह के दौरान खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बाद भारत सरकार जो सख्ती दिखाई है, वह आवश्यक एवं समयोचित कदम है। इस घटना पर भारत का चिंतित होना एवं कनाडा को चेताया जाना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय में कनाडा के उप-उच्चायुक्त को तलब कर इस मामले में गहरी आपत्ति जताई गई है। कनाडा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिये अनेक बार भारत विरोधी घटनाओं में संदेहास्पद एवं विवादास्पद भूमिका का निर्वाह करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं को धुंधलाया है। कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थक अलगाववाद, कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता रहा है। इस तरह की घटनाओं से कनाडा में अपराध का माहौल बना हुआ है। इससे कनाडा के नागरिकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। जिससे भारत में भी स्थितियां संकटपूर्ण बनी है। पिछले साल खुद टूडो ने सार्वजनिक रूप से निज्जर हत्याकांड में भारत के शामिल होने का निराधार आरोप लगाया था। भारत के मांगने के बाद भी आज तक उनकी सरकार इस आरोप के पक्ष में कोई सबूत नहीं दे पाई है। जस्टिन टूडो ने आरोप लगाकर दोनों देशों के बीच विवाद खड़ा कर दिया था। भारत ने आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद से कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आ गई और दोनों देशों के रिश्ते सुधरने की बजाय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गये हैं।

रविवार के खालसा दिवस समारोह में न केवल खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए बल्कि ऐसे बैनर प्रदर्शित किए गए, जिनमें भारत-विरोध के त्रासद एवं राष्ट्र-विरोध के भ्रामक, झूठे एवं बेबुनियाद आरोप थे। अफसोस और चिंता की बात यह रही कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने तो इन सब भारत-विरोधी घटनाओं को रोकने की या इन्हें गलत बताने की कोई कोशिश की। इस पूरे मामले में टूडो का व्यवहार आपत्तिजनक बना, दो देशों के बीच खटास घोलने वाला एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का रहा। जिसे दोनों देशों के राजनयिक पैमाने पर उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह कनाडा अपने देश की राजनीतिक जरूरतों के चलते भारत के साथ अपने रिश्ते इस मोड़ पर ले आया हैं, जहां उनके बीच विश्वास, भरोसे, आपसी सहयोग और संवाद की कमी है, तो यह अकारण नहीं है।

भले ही लगभग आठ लाख कनाडाई सिखों की वहां की राजनीति में सक्रिय भागीदार हैं। सिख समुदाय की जरूरतों एवं उनके शांतिपूर्ण जीवन के लिये कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता में कोई आपत्ति नहीं हैं। सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा करने के वायदे यदि वहां की सरकार करती है तो अच्छी बात है। भले ही कनाडा सरकार सिखों के सामुदायिक केंद्रों, गुरुद्वारा समेत पूजास्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ भारत एवं कनाडा के बीच उड़ानें और रूट बढ़ाने को लेकर भारत के साथ नए समझौते करें, लेकिन इन स्थितियों के बीच खालिस्तानी अलगाववाद को प्रोत्साहन देना भारत के लिये असहनीय है। भारत बार-बार इस बात को दोहरा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस तरह अलगाववादी और अतिवादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देना न केवल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक है। भारत जिस तरह से लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद को झेला है, कनाडा में इन तत्वों को प्रोत्साहन देकर कनाडा आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बन सकता है, जो उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होने वाला है।

निश्चित ही कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फल-फूल रहे हैं। खालिस्तानी न केवल भारतीय राजनयिकों को धमका रहे हैं बल्कि हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। कनाडा की धरती पर हर किस्म के खालिस्तानी चरमपंथी ही नहीं पल रहे हैं बल्कि वहां भारत से भागे गैंगस्टर और नशे के तस्कर भी शरण पा रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद में भारत ने कनाडा को जो खरी-खोटी सुनाई, वह इसलिए आवश्यक थी, क्योंकि वहां की टूडो सरकार अपने भारत विरोधी रवैये से बाज नहीं आ रही है। वह जिस तरह खालिस्तानी अतिवादियों को संरक्षण दे रही है, उसकी मिसाल यदि कहीं और मिलती है तो वह पाकिस्तान में। कनाडा अपने भारत विरोधी रवैये के कारण पाकिस्तान सरीखा बनता जा रहा है। कनाडा अपने हितैषी एवं पडोसी देशों से दूरियां बना रहा है। खालिस्तान समर्थन एवं प्रोत्साहन के चलते कनाडा में फिलहाल कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। अपने देश के साथ दुनियाभर में वह आलोचकों के निशाने पर हैं। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर नियंत्रण रखने में कथित नाकामी के चलते ट्रुडो को अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते जी-20 बैठक में उन्हें भारत और सदस्य देशों का 'ठंडा' रिस्पांस मिला। भारत में खास अहमियत नहीं मिलने से खिसियाए ट्रुडो को कनाडा के मीडिया ने भी आड़े हाथ लिया है। ट्रुडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रुडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भारत अब दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कनाडाई में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का असर यहां की इकोनॉमी पर पड़ रहा है। भारत की नाराजगी बेवजह नहीं है, क्योंकि कनाडा भारत के विरोध में लगातार सक्रिय हैं, कनाडा ने ही किसानों के आंदोलन के समर्थन में अतिश्योक्तिपूर्ण सहयोग होने दिया। जबकि दोनों देशों के संबंधों में प्रगति के लिए एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव और आपसी भरोसा रहना जरूरी है।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठे थे। लेकिन अमेरिका ने इस मसले पर सार्वजनिक बयानबाजी करने के बजाय भारत सरकार से सीधी बातचीत की। भारत ने भी अमेरिकी सरकार की ओर से मुहैया कराए गए सबूतों को गंभीरता से लिया। इस मामले में एक उच्चस्तरीय जांच शुरू हुई। अच्छी बात यह भी है कि इस मामले को दोनों देशों के संबंधों के खटास का माध्यम नहीं बनने दिया। जांच के निष्कर्षों को दोनों देशों ने स्वीकार किया एवं बेवजह का विवाद खड़ा नहीं होने दिया। कनाडा को भी अमेरिका से कुछ सीखना चाहिए एवं निज्जर हत्याकांड में भारत की अगर कोई भूमिका है तो उसके सबूत भारत सरकार को देने चाहिए। कोरे आरोप लगाकर आपसी संबंधों को बिगाड़ने से परहेज करना चाहिए। अपनी भूमि का उपयोग भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा पैदा करती गतिविधियों के लिये कत्तई नहीं करने देना चाहिए। बात कनाड़ा के साथ-साथ अन्य देशों पर भी लागू होती है जो अपने राजनीतिक हितों के लिये खालिस्तान समर्थक या अन्य भारत विरोधी आन्दोलनों को जगह देते हैं, लेकिन इन देशों ने भी समझा है और समझना ही होगा कि किसी देश के अन्दरूनी मामलों में दखलअंदाजी करना उनके लिये ही हानिकारक होने वाला है। भारत अब एक महाशक्ति है, कनाड़ा जैसे देशों की भारत-विरोधी गतिविधियों से भारत की सेहत पर कोई असर नहीं पडेगा।

आबकारी विभाग की लगातार कार्यवाई :

खली की बोरियों में छुपाकर ले जाई जा रही 40 पेटी विदेशी शराब जब्त

इन्दौर। लोकसभा चुनाव को देखते हुए शराब के अवैध क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भण्डारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशन में आबकारी विभाग के अमले द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इस कड़ी में लोडिंग वाहन पिकअप में अनोखे तरीके से खली की बोरियों से कवर कर परिवहन की जा रही 40 पेटी विदेशी शराब जब्त की गई।

जब्त सामग्री की कीमत 11 लाख 35 हजार रुपये है। अन्य कार्यवाहियों में कुल 36 प्रकरण पंजीबद्ध कर 369 लीटर मदिरा और 2770 किलोग्राम महुआ लहान भी जब्त किया गया है। सहायक आयुक्त आबकारी मनीष खरे ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार की रात गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर राऊ चौराहा पर नाकाबंदी कर बोलेरो पिकअप क्रमांक एमएच-30, एबी-3169 को रुकवाया तो ड्राइवर गाडी से उतरकर भाग निकला। काफी दूर तक पीछा करने और कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी को पकड़ लिया गया। वाहन की तलाशी कराई तो खली की बोरियों के पीछे छिपाकर रखी गई 40

पेटी अवैध शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 352.8 बल्क लीटर और अनुमानित कीमत तीन लाख 35 हजार 200 रुपये है। इसके साथ तस्करी में उपयोग किए जा रहे आठ लाख रुपये कीमत के पिकअप वाहन को भी जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान वाहन से आरोपी नरेंद्र कुमार पुत्र विष्णु देवड़ा निवासी द्वारकापुरी के पास प्रजापत नगर इंदौर को गिरफ्तार कर अवैध मदिरा का संग्रहण एवं कब्जा होने से आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

पूछताछ में आरोपी नरेंद्र देवड़ा ने मदिरा किसी सचिन यादव उर्फ सचिन शिवहरे के लिए ले जाने का खुलासा किया,जो उसे फोन कर शराब की डिलीवरी का पता बताने वाला था। ड्राइवर के बयान पर अब सचिन यादव की तलाश की जा रही है। अन्य कार्यवाहियों में कुल 36 प्रकरण पंजीबद्ध कर 369 लीटर मदिरा और 2770 किलोग्राम महुआ लहान जब्त किया गया है जिसका अनुमानित मूल्य 3 लाख 57 हजार 325 रुपये है। अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन, संग्रहण और विक्रय के विरुद्ध आबकारी अमले की प्रभावी कार्यवाहियाँ निरंतर जारी है।

लोकतंत्र बचाने के लिए नोटा दबाओ जनजागरण अभियान शुरू

इन्दौर। इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दलों ने आज संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर की गीता भवन चौराहा स्थित प्रतिमा पर प्रदर्शन कर शहर की जनता को संविधान बचाने और चुनाव में नोटा का बटन दबाने के लिए जन जागरण अभियान की शुरुआत की। सभी दलों ने इंदौर में हुए अप्रत्याशित घटनाक्रम और लोकतंत्र में विपक्षी पार्टियों को षड्यंत्र करके चुनाव से बाहर करने की भर्त्सना की। सभी दलों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया की सभी महापुरुषों की प्रतिमा पर जाकर भाजपा के कृत्य के खिलाफ मौन प्रदर्शन किया जाएगा। पूरे लोकसभा क्षेत्र में घर-घर मतदाताओं से संपर्क कर नोटापर मतदान करने का आग्रह किया जाएगा। इंडिया गठबंधन द्वारा पूरे शहर में नुक्कड़ सभा, मशाल रैली, वाहन रैली भी की जाएगी। आज के कार्यक्रम में इंडिया गठबंधन के घटक दल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, सोशलिस्ट पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, समाजवादी पार्टी, सीपीआई, सीपीआई-एम, राष्ट्रीय जनता दल आदि के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

मतदान के लिए अन्य वैकल्पिक दस्तावेज

इन्दौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची वितरित की जा रही है। क्यूआर कोड युक्त मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का नाम, पता, क्रमांक, निर्वाचक नामावली में मतदाता क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगे। यदि किसी मतदाता के पास मतदाता सूचना पर्ची नहीं है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो 13 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज दिखाकर मतदाता मतदान कर सकेंगे।

यह हैं 13 वैकल्पिक दस्तावेज-फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, पेन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, के साथ मतदान करने का आग्रह किया गया है।

इन्दौर के मतदाता सांप्रदायिक राजनीति और झूठी गारंटी देने वालों को करारा सबक सिखाएं

इन्दौर। कांग्रेस उम्मीदवार के लोकसभा चुनाव में मैदान से भागने पर सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने इंदौर में चुनाव लड रहे वामपंथी उम्मीदवार एसयूसीआई के अजीत पवार का समर्थन करने का निर्णय लिया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने भोपाल में जारी बयान में कहा कि भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी इंदौर में सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर उम्मीदवार अजीत पवार का समर्थन करेगी। भले ही हमारा एस यू सी आइ से राजनैतिक संबंध नहीं है और वह न तो इंडिया गठबंधन का सदस्य है पर एक छोटी सी पार्टी के उम्मीदवार ने जिस बहादुरी के साथ सूरत कांड को दोहराने के लिए की गई गुंडागर्दी और फासीवादी हथकंडे का मुकाबला किया और लोकतंत्र का चीरहरण नहीं होने दिया उस साहस के लिए उसका समर्थन एक नैतिक जिम्मेदारी है। श्रीवास्तव ने कहाकि बावजूद इसके कि वे स्वयं कौ देश की इकलौती कम्यूनिस्ट पार्टी मानते हैं।

लेकिन हम उन्हें वामपंथी पार्टी मानते हैं और कम से कम फासीवाद विरोधी और सम्प्रदाय विरोधी तो है ही। कांग्रेस पार्टी और उसके अध्यक्ष अपने ही गृह शहर में बेबस हैं जिले में अपने उम्मीदवार को सम्हाल नहीं पाये और अब जानकारी मिली है कि वे नोटा में वोट डालने का अभियान चलायेंगे।

कांग्रेस कभी भी अहंकार से ऊपर नहीं उठ पाती है।नोटा के मतों का कोई मतलब नहीं होता इसलिए बहुत कम लोग ही कांग्रेस के कहने से नोटा में वोट डालने घर से निकलेंगे और भाजपा पहले से भी अधिक बहुमत से चुनाव जीतेगी और दावा करेगी एक तरफा जन समर्थन का।

एसयूसीआई के उम्मीदवार को कितने वोट मिलेंगे यह महत्वपूर्ण नहीं है और न यह समय बारीक सैद्धांतिक बहस का नही है वरना इंडिया गठबंधन बन ही नहीं पाता बल्कि समय है फासीवाद सम्प्रदायवाद के खिलाफ उठती हर आवाज के साथ आवाज मिलाने का। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी यही कर रही है।

इसी तरह का बयान जारी करते हुए सोशलिस्ट पार्टी इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप मंत्री ने कहा कि नोटा को वोट देने की अपील करना नपुंसक राजनीति है और सांप्रदायिकता के खिलाफ नकली लड़ाई भी। कांग्रेस पूरे देश में अपने-अपने हिसाब से राजनीतिक निर्णय लेती है खजुराहो में जहां वह एक अन्य पार्टी जिसका इंडिया गठबंधन से कोई संबंध नहीं है ,उसका समर्थन कर रही है ,वहीं इंदौर में नोटा की अपील कर रही है । कांग्रेस चाहती है की तीसरी ताकत का कोई दल ताकत बनकर नहीं उभरे, इसीलिए इंदौर में नोटा का समर्थन कर रही है ।

यह केवल इंदौर के मतदाताओं को भटकाने की अपील है। सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी हमेशा निर्णायक और संघर्ष की राजनीति करती रही है और उसी के चलते दोनों दलों के नेताओं ने इंदौर का ससंद में प्रतिनिधित्व भी किया है। दोनों दलों के नेताओं ने इंदौर की शानदार जनता से अपील की है कि लंबे अरसे बाद इंदौर के मतदाताओं को मौका मिला है कि वह फिर से तीसरा विकल्प चुने क्योंकि जब तक इंदौर में वामपंथी समाजवादी मजबूत रहे है तब तक किसानों और मजदूरों पर कभी अत्याचार नहीं हुए और ना उनके रोजगार पर खतरा मंडराया इसलिए जरूरी है कि इस बार मैदान से भागने वाली कांग्रेस और 2014 से देश की जनता को झूठी गारंटी दे रही सांप्रदायिक भारतीय जनतापार्टी को करारी चोट दी जाए इसलिए लड़ाकू युवा उम्मीदवार अजीत पवार को वोट देकर इंदौर की जनता एक इतिहास रचे ।

अलीराजपुर में राहुल का ऐलान... कोर्ट ने आरक्षण पर जो 50 प्रतिशत का लिमिट लगा रखा है, उसे हटा देंगे

यह संविधान बचाने का चुनाव

आलीराजपुर/खरगोन। राहुल गांधी ने कहा कि हम आरक्षण को 50त से आगे ले जाएंगे। कोर्ट ने 50% का लिमिट लगा रखा है, उसे हटा देंगे। राहुल गांधी सोमवार को मध्यप्रदेश के आलीराजपुर के जोबट और खरगोन के सेगांव में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। दोनों ही सभाओं में उन्होंने ये बात कही।

राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस संविधान खत्म करना चाहते है। इसलिए उन्होंने 400 पार का नारा दिया है, लेकिन 400 सीट तो छोड़िए, इन्हें 150 सीटें भी नहीं मिलेंगी। राहुल गांधी ने कहा- मोदी जी आपका आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। उनके नेताओं ने साफ कहा है कि अगर हमारी सरकार आएगी, तो हम आदिवासियों से, दलितों से, पिछड़े वर्ग से आरक्षण छीन लेंगे, आरक्षण को खत्म कर देंगे। मैं आपको आज यहां ये बताने आया हूं, वो छीनने की बात कर रहे हैं। हम आरक्षण को बढ़ा देंगे। 50% से ज्यादा कर देंगे। आज 50% का लिमिट है। इस लिमिट को हम परे करके, 50% लिमिट को रद्द करके, हम आपका रिजर्वेशन, गरीबों का रिजर्वेशन बढ़ाएंगे। ये चुनाव

संविधान बचाने का चुनाव है। ये हिंदुस्तान का संविधान है। इसे बीजेपी और आरएसएस वाले खत्म करना चाहते हैं, बदलना चाहते हैं, फेंक देना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन इस संविधान की रक्षा कर रहा है। इसको बचाने की कोशिश कर रहा है। इसलिए उन्होंने 400 पार का नारा दिया है। लेकिन 400 सीट तो छोड़िए, इन्हें 150 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

हम मनरेगा में मजदूरों को 400 रुपए दैनिक मजदूरी देंगे-राहुल गांधी ने कहा- मीडिया कहता है कि मनरेगा से लोगों की आदत बिगड़ती है। आप मजदूरी करते हो, उसके लिए आपको पैसा मिलता है। मीडिया कहता है आपकी आदत बिगड़ रही है। मगर अरबपतियों का कर्जा माफ होता है तो उसको यह विकास कहते हैं। आज मनरेगा के लिए आपको 250 रुपए मिलता है। हमने मन बना लिया है। चुनाव के बाद 400 रुपए मिलेगा। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान को बदलना चाहते हैं। अगर संविधान खत्म हो गया तो जो अधिकार आपको मिले हैं, वे खत्म हो जाएंगे। ऐसा हुआ तो हिंदुस्तान में 22-25 लोगों का राज हो जाएगा। ये अडाणी और अंबानी जैसे लोग हैं। जो मोदी जी के खास लोग हैं।

मोदी जी से पूछना, आरक्षण क्यों खत्म करना चाहते हो

राहुल गांधी ने कहा- आप मोदी जी से पूछिए, आपके लोग आदिवासियों पर पेशाब क्यों करते हैं। आपके लोग संविधान को क्यों रद्द करना चाहते हैं। आपके लोग आरक्षण क्यों खत्म करना चाहते हैं। आप देश को बताइए, क्या आप सचमुच में आरक्षण को खत्म करना चाहते हो। हां या ना? और ये भी बताओ आप आरक्षण के लिमिट को 50% से आगे करोगे, हां या ना? ये चुनाव का मुख्य मुद्दा है। आरक्षण, संविधान और गरीबों की रक्षा।

अशोकनगर में माफिया राज और भ्रष्टाचार...

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी ही सरकार के खिलाफ खोल दिया मोर्चा?

अशोकनगर। लोकसभा चुनाव तीसरे चरण में काफी दिलचस्प होने वाला है। प्रदेश के सभी बड़े चेहरों की किस्मत का फैसला तीसरे चरण में ही होना है। गुना लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया उम्मीदवार हैं। टिकट मिलने के बाद सिंधिया लगातार अपने क्षेत्र में एक्टिव हैं। शनिवार को उन्होंने अशोकनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए एक बयान दिया है, जिसकी खूब चर्चा है। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कह दिया है कि अशोकनगर में माफिया राज है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यहां खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है।

सिंधिया ने अपनी ही सरकार पर उठाए सवाल-दरअसल, मध्यप्रदेश में बीजेपी की सरकार है। इसके बावजूद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि अशोकनगर में माफिया राज है। साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार की बात कही है। सिंधिया ने कहा है कि अशोकनगर की राशन दुकानों में भ्रष्टाचार है। भू माफिया शहर में पूरी तरह से सिर उठा रहे हैं। मंच से सिंधिया ने ऐसे लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक मैं रहूंगा, अशोकनगर में कोई भी गलत काम नहीं होने दूंगा।

सफाई के लिए झाड़ू लगाऊंगा-ज्योतिरादित्य सिंधिया ने माफियाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि यूपी की तरह मैं इनकी सफाई के लिए झाड़ू लगवाऊंगा। सिंधिया ने कहा कि हमारे सामने योगी आदित्यनाथ जी हैं, मैं इनसे प्रेरणा लेता हूं। इनका अनुशरण करते हुए अशोकनगर में भी माफियाओं का सफाया करूंगा। गौरतलब है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया लगातार अशोकनगर जिले के दौरे पर हैं। अशोकनगर जिला गुना लोकसभा सीट में आता है। चुनाव प्रचार के दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया को लगातार जमीन कब्जाने की शिकायत मिल रही थी। एक सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें एक युवक सिंधिया के सामने कह रहा था कि अशोकनगर में भूमाफिया पनप रहे हैं। जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। ऐसा रहा तो मुश्किल होगा। इसके बाद सिंधिया का यह बयान है, जिसके कई मायने निकाले जा रहे हैं।

प्रत्याशी के खर्च में न जुड़े पोलिंग एजेंट का भुगतान, भाजपा ने की मांग

भोपाल। भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपे एक ज्ञापन में मांग की है कि पोलिंग एजेंट को भुगतान की जाने वाली राशि का जो निर्धारण लोकसभा चुनाव में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स व जिला निर्वाचन अधिकारियों ने किया है, उसे प्रत्याशी के खर्च में शामिल न किया जाए।

भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को अपने ज्ञापन में कहा है कि राजनैतिक दलों द्वारा प्रति पोलिंग 4 पोलिंग एजेंटों को नियुक्त करने का अनुरोध संबंधित अधिकारी से किया जाता है। जबकि भाजपा पोलिंग एजेंट के रूप में अपने कार्यकर्ताओं को नियुक्त करने के लिए नाम अधिकारियों को सौंपती है। भाजपा कार्यकर्ता अपनी स्वेच्छा से पोलिंग एजेंट का कार्य करते हैं, पार्टी द्वारा उन्हें किसी भी प्रकार का मानदेय नहीं दिया जाता। वे अपने लिए खाना अपने घर से लाते हैं और स्वल्पाहार भी पार्टी द्वारा नहीं दिया जाता। ज्ञापन में कहा गया है कि मध्यप्रदेश में 29 लोकसभा क्षेत्रों में 2200 से 2600 मतदान केन्द्र प्रति लोकसभा क्षेत्र हैं। अगर प्रशासन द्वारा 400 रुपये प्रति पोलिंग एजेंट भुगतान करने का जो निर्धारण किया है, उसके तहत 17 लाख 60 हजार से 20 लाख 80 हजार रुपये तक का व्यय प्रत्याशी के खाते में जोड़ा जाएगा।

शहीद एयरफोर्स जवान विक्की पहाड़े का हुआ अंतिम संस्कार

श्रद्धांजली देने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा-विक्की पहाड़े पर बहुत गर्व है

भोपाल। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा के रहने वाले एयरफोर्स जवान जम्मू कश्मीर के पुंछ में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए थे। सोमवार को जवान विक्की पहाड़े का अंतिम संस्कार छिंदवाड़ा जिले के गृह ग्राम नोनिया करबल के पातालेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

मुखाग्नि शहीद के पांच वर्षीय बेटे हार्दिक ने दी। इससे पहले, एयरफोर्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शहीद विक्की पहाडे को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। जहां उन्होंने उन्होंने परिवार के सदस्यों से बात की वहीं राज्य सरकार ने विक्की पहाड़े के परिवार को 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की बात कही है। सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से शहीद का पार्थिव शरीर नागपुर से सोमवार इमलीखेड़ा हवाई पट्टी (छिंदवाड़ा) लाया गया था। गार्ड ऑफ ऑनर देने के बाद विशेष वाहन से पार्थिव शरीर को परासिया रोड से उनके गृह ग्राम नोरिया करबल ले जाया गया। नोरिया करबल से अंतिम यात्रा पातालेश्वर मोक्षधाम पहुंची। यहां रिश्तेदार ने बेटे को गोद में लेकर विधि-विधान से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहीद विक्की पहाडे की मां दुलारी से भी मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमें अपने बहादुर जवान और सेना पर गर्व है। जिन्होंने यह कायराना हरकत की, उन्हें कीमत चुकाना पड़ेगी। पूर्व सीएम कमलनाथ और छिंदवाड़ा सांसद नकुलनाथ ने भी शहीद विक्की पहाडे को विनम्र श्रद्धांजलि दी। कमलनाथ ने एक्स पर वीडियो शेयर कर लिखा है कि शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले। वतन पर मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा। छिंदवाड़ा की माटी के अमर शहीद श्री विक्की पहाड़े को भावभीनी श्रद्धांजलि।

बहुचर्चित हनी ट्रैप मामले में मानव तस्करी केस के सभी आरोपियों को कोर्ट ने बरी किया

भोपाल। प्रदेश के बहुचर्चित हनी ट्रैप मामले से जुड़े मानव तस्करी केस के सभी आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया है। श्वेता विजय जैन, आरती दयाल, अभिषेक को कोर्ट ने बरी किया है। फरियादी की ओर से सीआईडी ने एफआईआर दर्ज की थी।

फरियादी की ओर से सीआईडी ने एफआईआर दर्ज की थी विजय जैन, श्वेता स्वप्निल, आरती दयाल, अभिषेक ने फरियादि युवती का कई महत्वपूर्ण लोगों से शोषण करवाया। इस मामले में ट्रायल के दौरान कोर्ट ने चार्ज के स्तर पर आरोपी श्वेता स्वप्निल जैन को बरी किया था। इस मामले में गवाही के दौरान फरियादी जो कि खुद भी हनी ट्रैप केस में आरोपी है उज्जैन जेल से भोपाल में बुलाकर कोर्ट ने गवाही ली थी. तब फरियादी ने सभी आरोपियों के खिलाफ बयान दिए थे और कहा था कि इन सभी ने मिलकर उसका महत्वपूर्ण लोगों का राजनेताओं से शोषण करवाया है। लेकिन हनी ट्रैप केस में फरियादी की जब जमानत हो गई। जमानत के बाद उसने कोर्ट में आकर फिर बयान दिए कि उसके साथ किसी ने कोई शोषण नहीं किया है। कोर्ट में बताया गया कि पुलिस के दबाव में पहले उनके खिलाफ बोला था- सभी गवाहों के कथन लेख करने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश पल्लवी द्विवेदी ने सभी आरोपियों को दोष मुक्त कर दिया है। बता दें कि मध्य प्रदेश की राजधानी में तूफान लाने वाला हनी ट्रैप केस जो की इंदौर में चल रहा है। लंबी बहस के बाद मानव तस्करी का यह कैस भी समाप्त हो गया है। गौरतलब है कि 17 सितंबर 2019 को जब मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और कमलनाथ मुख्यमंत्री थे, तब हनी ट्रैप कांड सामने आया था। इंदौर में नगर निगम के तत्कालीन इंजीनियर रहे हरभजन सिंह ने इंदौर के पलासिया पुलिस थाने में ब्लैकमेलिंग की शिकायत की थी। उसके बाद हनी ट्रैप की परतें खुलनी शुरू हुई थी।

चुनाव निर्विघ्न हो सकें, इसके लिए जीतू पटवारी के चुनाव प्रचार पर रोक लगाए आयोग : विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर यह मांग की है कि आयोग जीतू पटवारी द्वारा प्रचार किए जाने पर तत्काल रोक लगाए, ताकि प्रदेश में कानून व्यवस्था बनी रहे और शेष दो चरणों के चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो सकें। शर्मा ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जोबट में गैंगरेप पीड़ित बालिका के घर गए थे और उन्होंने उसके परिजनों के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की थी। इससे पीड़ित बालिका की पहचान उजागर हुई थी। यह न्यायालय की अव्हेलना है और इसे लेकर जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इससे बौखलाए जीतू पटवारी ने 01 मई को पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को चुल्लू भर पानी में डूब मरने की सलाह दे डाली। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 01 मई को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद जीतू पटवारी ने ग्वालियर में मीडिया से चर्चा करते हुए आरक्षित वर्ग की महिला और पूर्व मंत्री इमरती देवी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका रस खत्म हो गया है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी ने 03 मई को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन दिया था। लेकिन जीतू पटवारी यहीं नहीं रुके। उन्होंने भिंड जिले में पत्रकारों से चर्चा करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना रावण से कर डाली। संवैधानिक पद पर आसीन देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह के शब्दों के प्रयोग से जनता में भारी रोष है। इस संबंध में 04 मई को एक ज्ञापन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपा गया है।

मोदी जी मतलब कमिटमेंट,राहुल गांधी कॉमेडी की दुकान, दोनों की कोई तुलना नही : डॉ नरोत्तम मिश्रा

आजादी दिलाने वाली कांग्रेस यह नही,यह कांग्रेस तो खुद एक परिवार की गुलाम

ग्वालियर। ग्वालियर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी भरत सिंह कुशवाह के समर्थन में वरिष्ठ नेता व भाजपा न्यू जोइनिंग टोली के संयोजक डॉ नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को ग्राम आंतरी में एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। डॉ मिश्रा ने कहा कि भाजपा व कांग्रेस के नेतृत्व में अंतर देखिए। कहा हमारे पास वैश्विक नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी और कहा कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी।

एक कि हर बात कमिटमेंट होती है, गारंटी होती है और दूसरे की हर बात कॉमेडी होती है। देश का नेतृव कौन करे यह आपको तय करना है। इस अवसर पर भाजपा ग्वालियर ग्रामीण अध्यक्ष कौशल शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित थे। डॉ मिश्रा ने कहा कि मोदी जी की राहुल गांधी की तुलना करना वैसे ही है कि कहा राम राम कहा टे टे। एक तरफ मोदी जी जैसे वैश्विक नेता है जिनकी हर बात देश ही नही पूरी दुनिया गंभीरता से लेती है, और दूसरी तरफ राहुल गांधी है जो संसद में आंख मारते है और जबरन गले पढ़ जाते है। खाट में चौपाल लागते है और संसद में सोते है।कभी आलू से सोना बनाते है कभी एक झटके से गरीबी मिटाते है। आप को तय करना है कि आप कमिटमेंट वाले को चुनते है कि कामेडी करने वाले को। देश का भविष्य किसके हाथ मे सुरक्षित रहेगा यह समझना कोई मुश्किल नही है।

यह असली कांग्रेस नही : डॉ मिश्रा ने कहा कि यह जो आप कांग्रेस देख रहे है यह आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस नही है यह कांग्रेस तो खुद एक परिवार की गुलाम है। ऐसी कांग्रेस देश का क्या भला करेगी। डॉ मिश्रा ने मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा को ही वोट देने की अपील करते हुए कहा कि आप गलती से भी किसी और को वोट मत कर देना नही तो देश का सुनहरा भविष्य दांव पर लग जाएगा। डॉ मिश्रा ने कहा कि आज जो कांग्रेस आप देख रहे है यह आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस नही है यह कांग्रेस तो खुद एक परिवार की गुलाम है। जो कांग्रेस खुद गुलाम है वह देश का भला नही कर सकती है। डॉ मिश्रा ने कहा कि यह कांग्रेस संविधान और सनातन का अपमान करने वाली कांग्रेस है। यह तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस है। यह हिंदुओ को जातिगत जनगणना के नाम पर बांटने वाली कांग्रेस है। आप खुद ही सोचे आतंकियो की मौत पर रोने वाले क्या देश मे शांति ला पाएंगे? सनातन का अपमान करने वाले क्या जय श्री राम बोलने पर बंदिशें नही लगाएंगे? यह यह सब करेंगे। इसलिए याद रखना गलत वोट दिया तो आप तो पछताएंगे हीआने वाली पीढ़ी को भी मुह भी नही दिखा पाएंगे।

मोदी जी ने 25 करोड लोगो को गरीबी से उबारा : देश में 50 से अधिक वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने गरीबी हटाने का नारा दिया, लेकिन गरीबी हटाने के लिए कोई कार्य नहीं किया। वर्ष 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में करीब कल्याण के कार्य शुरू हुए और बीते दस वर्षों में देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्त दिलाई गई।

समर्थ जुरेल ने ईशा मालवीय को कहा 'मौकापरस्त', एक्ट्रेस ने किया पलटवार

टीवी का अब तक का सबसे बड़ा कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस को लेकर हमेशा ही दर्शकों में क्रेज बना रहता है। ऐसे में सलमान खान होस्टेड बिग बॉस 17 भी खूब सुर्खियों में रहा। इस शो में ईशा मालवीय अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी सुर्खियों में रहीं। ईशा ने शो में भले ही अपने एक्स यानी अभिषेक कुमार के साथ आई हो, लेकिन ट्विस्ट तब आया था जब उनके ब्वॉयफ्रेंड समर्थ जुरेल ने वाइल्ड कार्ड एंट्री मारी थी। इसके बाद घर में अभिषेक, ईशा और समर्थ के बीच काफी तमाशा देखने को मिला। शो से बाहर आते ही समर्थ और ईशा भी अलग हो चुके हैं। हाल ही में दोनों ने अपने ब्रेकअप का ऐलान किया है। वहीं, बीते दिनों समर्थ ने ईशा को लेकर काफी कुछ कहा, जिसके बाद अब एक्ट्रेस ने पलटवार कियाहै।

ईशा ने समर्थ को दिया जवाब

ईशा मालवीय से हाल ही में एक इवेंट के दौरान समर्थ जुरेल के इंटरव्यू और ब्रेकअप को लेकर पूछा गया। ईशा से कहा गया कि हाल ही में समर्थ ने आपको लेकर काफी कुछ बोला इस पर आप क्या कहना चाहेंगी? ये सुनते ही ईशा ने कहा, 'मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहूंगी, क्योंकि मेरी लाइफ में बहुत कुछ अच्छी चीजें आ रही हैं तो मैं उस पर फोकस करुंगी न कि अपनी पिछली जिंदगी पर। मैं कोई जवाब नहीं देना चाहूंगी। ठीक है सबका अपना नेचर है सबकीअपनी अपनी पर्सनैलिटी है। मैं नहीं चाहूंगी कि मैं इस मेन चीज पर कुछ बोलूं। खुशी मनाओ यार मैंने आज रैंप वॉक की है। इससे बड़ा और क्या हो सकता है।' इस वीडियो को इंस्टेंट बॉलीवुड के इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया है।

समर्थ ने ईशा को बताया था 'मौकापरस्त'

दरअसल, हाल ही में समर्थ जुरेल ने एक इंटरव्यू में ब्रेकअप के बाद ईशा मालवीय को लेकर काफी कुछ बोला था। समर्थ ने इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए अपने इंटरव्यू में ईशा के बारे में कहा था कि वो बहुत बड़ी मौकापरस्त है। कोई भी इवेंट हो रहा है, कोई भी फंक्शन हो रहा है तो मुझसे बात करने लग जाएगी। होली पार्टी पर भी ऐसा ही हुआ उसने अचानक ही कॉल करके बात करना शुरू कर दिया था जबकि हमारी बातचीत बंद थी। मेरे साथ बाहर तक इसलिए ले गई क्योंकि वहां पैप्स खड़े थे, ताकि हमारी स्पॉटिंग हो जाएगी।

फ्लोरल साड़ी और ब्रालेट में नम्रता मल्ला ने जमकर हिलाई कमरिया

भोजपुरी सेंसेशन नम्रता मल्ला सोशल मीडिया पर एक बार फिर अपने डांस वीडियो को लेकर सुर्खियों में आ गई है। इस वीडियो में नम्रता मल्ला जमकर अपनी कमर हिलाती नजर आ रहीं हैं। वीडियो में नम्रता मल्ला फ्लोरल प्रिंटेड साड़ी और ब्लैक ब्रालेट में बेहद हॉट लग रहीं हैं। डांस करते हुए नम्रता मल्ला की अदाएं देख फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। स्मोकी एंड न्यूड मेकअप लुक के साथ ओपन लाइट कर्ली हेयरस्टाइल को मैच करते हुए नम्रता मल्ला ने जमकर कमर हिलाई। नम्रता मल्ला ने अपने इस लुक को इयररिंग्स और रिंग्स के साथ कम्प्लीट किया। वीडियो में नम्रता मल्ला जमकर अपनी पतली कमर और कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करती नजर आ रहीं हैं।

महीनेभर पहले खत्म ही गया था अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर का 2 साल पुराना रिश्ता

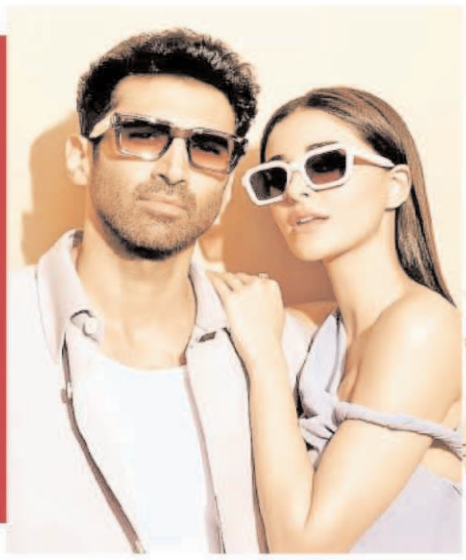

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर को लेकर लंबे समय से चर्चा थीं कि कपल रिलेशनशिप में है हालांकि दोनों स्टार्स ने कभी अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया। वहीं अब खबरें आ रही हैं कि 2 साल की डेटिंग के बाद दोनों ने अपनी-अपनी राहें अलग कर ली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब एक महीने पहले दोनों का ब्रेकअप हो गया है। उनके एक करीबी दोस्त ने उनका ब्रेकअप कंफर्म किया है। अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर के एक करीबी दोस्त ने बताया कि कपल ने मार्च में ही ब्रेकअप कर लिया था।सोर्स ने कहा-'लगभग एक महीने पहले उनका ब्रेकअप हो गया।वे काफी अच्छे चल रहे थे और ब्रेकअप हम सभी के लिए एक सदमे की तरह था। वे एक-दूसरे को लेकर सिंसेयर हैं।' रिपोर्ट में आगे बताया गया कि आदित्य से ब्रेकअप होने के बाद अनन्या काफी हर्ट हैं लेकिन वे आगे बढ़ने की कोशिश कर रही हैं।वह अपने नए दोस्त के साथ समय बिता रही हैं।वहीं आदित्य भी मूव ऑन करने की कोशिश कर रहे हैं।

राशा संग रवीना टंडन ने किए भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन, मां-बेटी के सिंपल अंदाज ने जीता दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी लाइफ से जुड़ी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में रवीना ने बेटी राशा थडानी के साथ अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। तस्वीरों में मां-बेटी महादेव की भक्ति में डूबी दिख रही हैं। दरअसल, रवीना ने बेटी संग भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए जिसकी तस्वीरें उन्होंने इंस्टा पर शेयर की हैं। पहली तस्वीर में रवीना टंडन माथे पर चंदन, गले में पीला पटका और मंगलसूत्र संग लाल-गोल्डन बॉर्डर वाली साड़ी पहने नजर आ रही हैं। वहीं राशा हल्के लाइट ब्लू और व्हाइट कलर के सूट में दिखाई दे रही हैं। रवीना टंडन और राशा थडानी इस फोटो में मंदिर के बाहर खड़ी दिखाई दे रही हैं। रवीना और राशा के हाथ में पूजा की थाली है। दोनों ही कैमरा के लिए स्माइल करते हुए पोज करती दिख रही हैं।

तारामंडल

छोटे पर्दे की वो एक्ट्रेसेस जिन्हें असल जिंदगी में नहीं मिला सच्चा प्यार

जिन्दगी में सब कुछ मिल जाए ये हर बार मुमकिन नहीं होता है और ये लाइन छोटे पर्दे के एक्ट्रेसेस श्वेता तिवारी, जेनिफर विंगेट और रश्मि देसाई के लिए है। इन एक्ट्रेसेस को उनके फैन्स का खूब प्यार मिला और इन एक्ट्रेसेस ने पर्दे पर काम करके खूब नाम भी कमाया। आज के समय में इन एक्ट्रेसेस के लाखों-करोड़ो फैन हैं लेकिन असल जिन्दगी में इन एक्ट्रेसस को प्यार नहीं मिला। आज हम आपको छोटे परदे के इन्ही एक्ट्रेसेस के बारे में बताने जा रहे हैं।

श्वेता तिवारी

सबसे पहला नाम एक्ट्रेस श्वेता तिवारी का है। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने सबसे पहले भोजपुरी इंडस्ट्री में काम किया और इसके बाद एक्ट्रेस ने टीवी के कई शो में काम करके खूब नाम कमाया। श्वेता अपने काम की वजह से घर-घर में फेमस हुई और उन्हें उनके दर्शकों का खूब प्यार मिला।

इस बीच एक्ट्रेस ने एक्टर राजा चौधरी नाम के शादी की और उस दौरान इस कपल ने एक बेटी को जन्म दिया लेकिन साल 2007 में इन दोनों का रिश्ता खत्म हो गया। वहीं इसके बाद एक्ट्रेस की लाइफ में अभिनव कोहली की एंट्री हुई और इस कपल के बेटे को जन्म दिया। साल 2019 में भी इस रिश्ते का अंजाम भी श्वेता के पहले वाले रिश्ते की तरह हुआ।

जेनिफर विंगेट

एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट छोटे परदे की कामयाब एक्ट्रेस रही। वहीं एक्ट्रेस ने फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम करके भी खूब नाम कमाया। रील लाइफ में सफल रही एक्ट्रेस ने जहां इंडस्ट्री में खूब नाम कमाया तो वहीं एक्ट्रेस को रियल लाइफ ज्यादा अच्छी नहीं रही। एक्ट्रेस जेनिफर एक्टर करण सिंह ग्रोवर से प्यार करती थी। वहीं कुछ समय एक-दूसरे को डेट करने के बाद जेनिफर और करण ने शादी कर ली लेकिन अंत में इस शादी टूट गयी।

रश्मि देसाई

एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने छोटे परदे के कई शो में काम किया और खूब नाम भी कमाया लेकिन एक्ट्रेस की असल जिन्दगी में सबकुछ ठीक नहीं रहा। एक्ट्रेस ने साल 2011 में एक्टर नंदीश संधू से शादी की थी लेकिन 3 साल बाद ही एक्ट्रेस का ये रिश्ता टूट गया और साल 2016 में इन दोनों का तलाक हो गया। वहीं इसके बाद एक्ट्रेस का नाम अरहान खान से जुड़ा साल 2019 में इन दोनों साथ में बिग बॉस में एंट्री की। वहीं इस शो के सलमान खान ने खुलासा किया कि अरहान एक झूठा आदमी है और इसके बाद एक्ट्रेस और अरहान का रिश्ता टूट गया और अब एक्ट्रेस अकेले ही ज़िन्दगी जी रही है।

श्रीकांत- आ रहा है सबकी आंखें खोलने का तुम्हें ही अपना माना है गाना हुआ रिलीज़

फिल्म श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने के गानों ने फैंस को अपनी और आकर्षित किया है इसी बीच एक और रोमांटिक सॉन्ग 'तुम्हें ही अपना माना है' आज रिलीज कर दिया गया है जिसे प्यार और अटूट समर्थन का प्रतीक कहा जा सकता है इस गाने में दृष्टिबाधित उद्योगपति श्रीकांत बोला के रूप में राजकुमार राव और उनकी प्यारी पत्नी स्वाति के रूप में अलाया एफ के प्यार और उनके बीच के रिश्तो की कठिनाइयों को दर्शाया गया। इस रोमांटिक गाने को सचेत और परंपरा टंडन द्वारा गाया और कम्पोज़्ड किया गया है और योगेश दुबे द्वारा लिखा गया है।

'तुम्हें ही अपना मानना है' श्रीकांत और स्वाति के बीच के गहरे रिश्ते को दर्शाता है, गाने में स्वाति द्वारा श्रीकांत को दिए गए अटूट समर्थन और प्रोत्साहन को खूबसूरती से दर्शाया गया है, और स्वाति के सपोर्ट और प्रेम को दिखाया गया है।

श्रीकांत- आ रहा है सबकी आंखें खोलने फिल्म सारी मुश्किलों को पार करने वाले दृष्टिबाधित एन्टरप्रेनुएर श्रीकांत बोल्ला की जर्नी को दर्शाता है। इस फिल्म में राजकुमार राव के साथ ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर नज़र आयेंगे।

दिव्य खोसला के निभाए किरदार के बयान ने सबको चौंका दिया

- जय सिंह रघुवंशी

अभिनेत्री दिव्या खोसला ने सावी के मोशन पोस्टर से प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। दिव्या ने अभिनय देव निर्देशित इस फिल्म के टीज़र में एक बड़ा बयान देकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। अभी कुछ समय पहले ही फिल्म का टीजर जारी किया गया जिसमे दिव्या को सावी के रूप में कन्फेस करते हुए देखा गया की उनके पास 3 दिनों के बाद लंदन में जेल ब्रेक की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं है। जबकि फैंस पहले से ही इस सोच में हैं कि एक हाउस वाइफ अपने हाथों को खून से रंगने में कैसे कामयाब रही, यह टीज़र कई और सवाल उठाता है। फिल्म में दिव्या खोसला के साथ अनिल कपूर और हर्षवर्द्धन राणे भी नज़र आएं। फिल्म की पूरी शूटिंग लंदन में की गई है। अभिनय देव की फिल्म सावी का निर्माण विशेष एंटरटेनमेंट और टी-सीरीज़ के बैनर तले मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा किया गया है।

नगरीय प्रशासन मंत्री, महापौर द्वारा राज्यसभा सदस्य श्री उमेश नाथ जी का अभिनंदन पत्र, शाल, श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र देकर किया सम्मान

लोकतंत्र के महा यज्ञ में सभी मिलकर पूर्ण आहुति के साथ अवश्य करें मतदान : संसद सदस्य बालयोगी उमेश नाथ जी

हरियाणा में भाजपा की सफलता के मुकुट में गुरुजी हीरे की तरह है : नगरी प्रशासन मंत्री

गुरुजी के जाति पंथ संप्रदाय तोड़ो : राष्ट्र को जोड़ो अभियान में देश में समरसता का मिल का पत्थर है :महापौर

इंदौर। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव नहीं बताया कि राज्यसभा सदस्य एवं श्री क्षेत्र वाल्मिकी धाम उज्जैन पीठाधीश्वर परम पूज्य बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज का आज संस्था संघमित्रा के साथ ही शहर की 250 से अधिक संस्थाओं एवं संगठनों द्वारा नगरीय विकास एवं आवास मंत्री माननीय श्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में रविंद्र नाट्य गह में शॉल, श्री फल, मां अहिल्या की प्रतिमा एवं अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री गौरव रणदिवे, संस्था संघमित्रा, अखिल भारतीय वाल्मीकि सनातन धर्म सभा के राष्ट्रीय महासचिव श्री शंकर चिंतामण , 250 से अधिक सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, व्यापारिक संस्थाओं एवं संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि जी के नाम से इंटरनेशनल एयरपोर्ट का हुआ है निर्माण : श्री क्षेत्र वाल्मिकी धाम पीठाधीश्वर एवं राज्यसभा सांसद सदस्य परम पूज्य बालयोगी उमेश नाथ जी महाराज ने कहा कि मनुष्य पृथ्वी पर जन्म लेता है तो उसका मनुष्य योनि आने पर ही अभिनंदन हो जाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1996 से मैं सामाजिक समरसता एवं जाति पंथ संप्रदाय तोड़ो राष्ट्र को जोड़ों के संकल्प के साथ काम कर रहा हूं। राज्यसभा सांसद श्री बाल योगी रमेश नाथ जी महाराज का स्वागत सम्मान किया गया : आज राजवाड़ा स्थित गणेश कैप मार्ट के सामने चौधरी शंकर चिंतामण एवं नॉर्थ कमाठीपुरा नवयुवक मंडल द्वारा स्वागत मंच लगाकर इंदौर आगमन पर राज्यसभा सांसद परम पूजनीय संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज संस्थापक क्षेत्र वाल्मिकी धाम उज्जैन मध्य प्रदेश का भव्य स्वागत किया गया परम पूज्य श्री बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज ने सर्वप्रथम राजवाड़ा स्थित अहिल्या उद्यान पहुंचकर माता अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तत्पश्चाप चौधरी शंकर चिंतामण द्वारा आयोजित सम्मान समारोह हेतु मंच पर उपस्थित हुए जहां पर महाराज श्री का 51 किलो वाले पुष्प हार एवं 02 क्विंटल पुष्पों एवं शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य रूप से इंदौर शहर के वरिष्ठ जन उपस्थित रहे जिनमें मुख्य रूप से संतोष जी मोठ, विनोद जी चिंतामण, सुरेंद्र जी गरुड मुकेश जी चिंतामण, दयाल पहलवान जी चौहान, पटेल राकेश जी नरवाले, राजेंद्र जी बारेसा, महेश जी नरवाले, मनोहर जी नरवाले ,प्रदीप जी मोठ, रिंकू जी लाहौरेज़ गोलू गोंद ,बाबूलाल जी बारेसा, चौधरी संतोष अटवाल, गोलू बारेसा, सेठ राजू घेघट ,सरपंच कमल पहलवान जी भैरवे (चंद्रावती गंज), चिंटू जी शिंदे, ईश्वर जी पथरोड ,संदीप की मौठ, सतीश जी पवार, पवन जी पवार, शैलेंद्र जी पंडित, अनिल जी सिरसिया, चौधरी संजय जी कल्याने, पटेल मिथुन की घारू ,यशपाल जी बैंडवाल, पटेल दिनेश जी बंडवाल, इत्यादि समाज जन उपस्थित हुए।

सी.एम.राईज नंदानगर समर कैम्प का आयोजन संपन्न

इंदौर,। सी. एम. राईज. शा. उ. मा. वि. नंदानगर में दिनांक 01/05/2024 से प्रारंभ समर कैंम्प के पांचवे दिन आज दिनांक 05/05/2024 का प्रारंभ सरस्वती वंदना एवं प्रतिभागियों के योग एवं जोशपूर्ण जुम्बा डांस से हुआ। सभी छात्रों द्वारा आर्ट एण्ड क्रॉफ्ट में फ्रेम विथ mule तथा नेम प्लेट बनाई। ड्राईंग पेंटिंग में छोटे बच्चों ने प्याज के उपयोग से फ्लावर पेंटिंग वही मिडिल के बच्चों ने पेपर रोल से पेंटिंग की।

कम्प्यूटर में छोटे बच्चों द्वारा पेंट ब्रश में कलर मिक्सिंग व हायर सेकेण्डरी के बच्चो ने पीपीटी तैयार की जिसे पप्रेजेंटेशन कैसे करे इसे मोनिका गौड़ के निर्देशन में सीखा। आज विभिन्न विधाओं में 84 बच्चे उपास्थित रहे। ये जानकारी प्राचार्य श्रीमती मुग्धा पंडित द्वारा दी गई। श्री सचिन त्रिवेदी ने आइस ब्रेकिंग गतिविधी द्वारा दिन का समापन किया। प्राचार्य के निर्देशन में उक्त विधाओं श्रीमती दर्शना निगम, श्री सचिन त्रिवेदी, श्रीमती प्रीति साहू, श्रीमती रचना सबरवाल, एवं समर कैंप प्रभारी श्रीमती श्रीमती हृदेशलता सक्सेना ने छात्रों को सहयोग प्रदान कर कैम्प के सफल संचालन में योगदान दिया।

एक्यूप्रेशर मनोवैज्ञानिक तरीके से मन और शरीर को स्वस्थ रखने का रहस्यः डॉ. सुधीर खेतवाल

इंदौर। एनसीसी ग्रुप इंदौर की 9 एमपी बटालियन एनसीसी इंदौर द्वारा स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर तृतीय में आज हिप्नोथेरेपिस्ट विशेषज्ञ डॉ. सुधीर खेतावत ने सभी कैडेट्स के लिए मनो वैज्ञानिक तरीके से मन और शरीर के रहस्य विषय पर एक प्रभावी व्याख्यान दिया। मुख्य वक्ता के रूप में हिप्नोथेरेपिस्ट विशेषज्ञ डॉ. सुधीर खेतावत (भारत में समग्र चिकित्सा के डॉ.) के साथ डॉ. अनिता ठाकुर, डॉ. निशा सिंह , डॉ.दीपिका रोशन और ज्योतिषी सुश्री डिम्पल शर्मा भी उपस्थित थी। डॉ सुधीर ने बताया कि एक्यूप्रेशर को हमारे नियमित दैनिक जीवन में लागू करने के सही तरीके और स्वयं पर विश्वास करके हमें निरंतर दर्द को मिटाने में सहायता मिलती है। कैम्प कमांडेंट कर्नल मोहन तिवारी ने बताया कि कैम्प में मालवा अंचल से आए सभी कैडेट्स द्वारा यह आयोजन जानकारीपूर्ण और आकर्षक तथा गतिविधियों से भरपूर रहा। कैडेट्स और 9 एमपी बटालियन संकाय सदस्यों ने एक्यूप्रेशर के इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में कैडेट्स ने डॉ.सुधीर खेतवाल से एक्यूप्रेशर से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। अंत में डॉ खेतवाल नेअपने अनुभव और दृष्टिकोण भी विस्तार से साझा किए।

कार्यक्रम के अंत मे कैम्प कमांडेंट कर्नल मोहन तिवारी ने अतिथि वक्ता डॉ. सुधीर खेतावत ओर उनके साथ उनके विशेषज्ञ डॉ. अनिता ठाकुर, डॉ. निशा सिंह, डॉ. दीपिका रोशन और ज्योतिषी सुश्री डिम्पल शर्मा का अभिनंदन किया गया, उन्हें भी स्मृति चिन्ह एवं गुलदस्ता भेंट किया गया।

इस कार्यक्रम में 9 एमपी

बटालियन के सूबेदार मेजर बृजेश कुमार और एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट कपिल पटेल और सेकंड ऑफिसर प्रकाश गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कक्षा-5 और 8 की पुनः परीक्षा के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने जारी किये निर्देश, पुनः परीक्षा 3 जून से होगी प्रारंभ

इन्दौर। स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा-5 और 8 की पुनः परीक्षा सत्र 2023-24 के लिये दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इस संबंध में जिला कलेक्टर्स को राज्य शिक्षा केन्द्र ने पत्र लिखा है। कक्षा-5 और 8 की पुनः परीक्षा 3 जून से 8 जून के मध्य होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने प्रोजेक्ट कार्य के अंकों की प्रविष्टि के संबंध में कहा है कि ऐसे परीक्षार्थी, जो अनुत्तीर्ण हो गये हों या अनुपस्थित रहे हों, उन छात्रों के प्रोजेक्ट कार्य 15 मई तक अनिवार्य रूप से पूरा कर मूल्यांकन किया जाये। इन कक्षाओं के पुनः परीक्षा केन्द्र जनशिक्षा केन्द्र पर ही निर्धारित किये जायें। छात्रों की संख्या 500 से अधिक होने पर दूसरा परीक्षा केन्द्र राज्य शिक्षा केन्द्र की अनुमति से बनाया जा सकेगा। निर्देशों में कहा गया है कि परीक्षा केन्द्र तक परीक्षार्थियों को पहुँचाने का दायित्व संबंधित शाला प्रमुख और शिक्षकों का होगा। परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकेंगे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)